

तारीख हुकम

21.03.25

श्री अजय पत्रावली पेश दुष्टी वकील

वादी व वादी को रुक-रुक कर बार-बार
 आवाज दिलायी गयी। किन्तु कोई भी
 उपस्थित नही था। वकील वादी को
 प्रतिवादिता की तलबी करने हेतु तलवाग
 समन पेश करे हेतु कई बार अवसर
 दिये गये किन्तु तलवाग समन पेश नही किया
 इसके यह उचित होता है कि वादी अपने
 वाद पत्र के प्रति गंभीर नही है और अपने
 वाद पत्र को चलाय नही चाहता है।

अतः वादी का वाद पत्र तस्वी
 वकील व वादी की अपन पैरवी व अपन
 हाजिरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली
 फौजदारी मुकदमे के बाद तस्वील वाकील
 दफ्तरे ही

आदेश सुनाया गया
 Mante